

# 同书异名通检

(增订本)

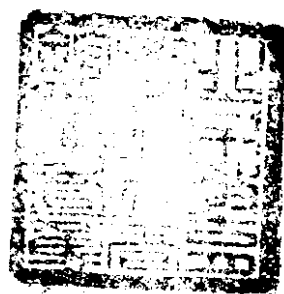
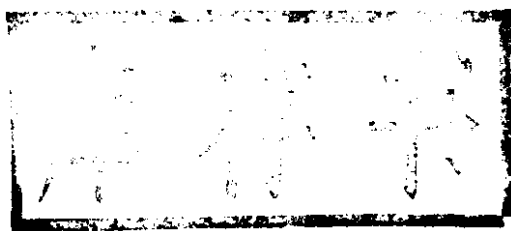


江苏人民出版社

17.2/62-8

# 同书异名通检

杜信孚



江苏人民出版社

243064

# 同书异名通检

增订本

杜信孚

---

江苏人民出版社出版

江苏省新华书店发行 苏州印刷厂印刷

开本 787×1092 毫米 1/32 印张 11.75 字数 250,000

1982 年 7 月第 1 版 1982 年 7 月第 1 次印刷

印数 1—29,000 册

---

书号: 7100·177 定价: 1.50 元

责任编辑 缪咏禾

## 再 版 附 言

本书出版后，出版社和本人都曾收到一些读者来函，认为这一工具书能够为读者提供方便，具有实用价值。应江苏人民出版社之约，复将陆续收集到的一千五百多条补入，共计六千余条，重新编排再版，供同志们参考。

作为该书姐妹篇的《同名异书通检》目前亦已编纂成册，将与本书同时出版。

杜信孚一九七九年十月一日

## 凡 例

一、本书所收，系同一内容而有异名之各书。

二、本书每一条目下，列有四个项目。即：1. 书名(包括卷数)，2. 著者(包括时代、籍贯)，3. 版本，4. 异名。

三、凡一书而有几个异名者，在本书中即列入几条。以便检查者在了解其中任何一种书名时，即可查得其他书名。

四、异名的来源，系根据原书序跋、目录、书评、报刊等摘录。其因版本不同而异名者，则在版本项下分别写明其不同版本名称。

五、凡著者姓名皆按原书著录。有用别号者，则用括号注明其本名；一时未能查明者，仍照原书著录。

六、本书无年代可据者，则简称某朝刊本。一九一二年以后，概以公元纪年。

七、本书在排列时，不分类别，依书名首字笔划(简体字)多寡排列先后。

八、本书为工具书，为了便于检查，凡编者所见异名各书，一律收采，不加甄别。

## 序

我国古籍，在仍使用四部分类法而未加改造以前，凡属科学文化研究者，尤其是从事古籍工作者，均应积极钻研，为改进祖国文化遗产之目录分类作好准备。良以四部分类法，相沿已久，习惯既稔，非一时所可尽废。应从便利检查出发，多作相辅之工具书，如专题、索引之类是已。夫古籍夙称浩如渊海，而类别杂糅，名实混淆，非研究具有蹊径者，殊不能获得四部目录之用，其中尤以书实同而名异者：有名亡而实存者；有得一书即可概见其余者；有得其所散见各书可凑合全文者；又有本一书而故多析其名以示异者。以上诸端，既非目录所详，亦无专书可考，学者往往按目求书而不可得。不知目中某书，即是我所欲求之书，或者是书纵无，亦可以据他书而求得之。然至今犹无一部解决此类困难之工具书出现，学者弥引为憾事。

杜生信孚服务于南京图书馆，于工作中每遇读者据一名求书，常失望而去。乃本大众之要求，作为一己之责任。复为工作便利着眼，经四年之久，将同书异名之书，记录四千余则，作《通检》一编。凡刻本传本中有卷帙可稽之书籍，无不加以征录。按照笔划，同异互见，以次排列，得其一名，即得其余名，诚为我国目录学中之创作，其可称为辅导学者之良好工具则可断言。但是，不可谓世上同书异名者即尽于此，遗漏之处，自不可免。是在随见随录，积累滋多，且希望海内学者匡正而附益之，俾臻完善，是亦读者之深切愿望。

或有谓明人祁承燾《澹生堂藏书约》中，亦曾论及同书异名之书，但其举例不过数种，余均为考据校雠之学。又有近人杜联喆所撰《丛书书目续编》，亦曾举同书异名，此专就丛书而言，而

编者亦已备列之矣。余所以称是编为书林之创举，目录之别帜者以此。

又或以为名既异，即不能谓之同书。是则不然。如本书所列，虽容有编制不同，卷帙舛差之别，但按之内容，实无出入，乌得谓异名即异书耶？然所应加以注意者不在此，而在同名而异书，书名同而内容及作者不同，例如宋金盈之、罗烨均有《醉翁谈录》，何文焕、吴景旭各著有《历代诗话》，除清康熙御纂而外，钱谦益、季振宜均有《全唐诗》之辑，此犹可冠以人名，以资志别。其最易混淆者，即一人而著二书，而二书之命名亦复相同。如清人汪中著有《述学》，其一系叙述历代学制之作，另一即今通行之文集。又如清王之春著书二种，内容显然有别，而俱名《国朝柔远记》（其中一部异名《通商始末记》），复不可以正续集目之。如学者欲求汪氏言学制之《述学》，今乃以文集之《述学》代之，欲求王氏之甲部《柔远记》，而以乙部异名《通商始末记》之《柔远记》代之，失其旨矣。此类情况究不多见，与同书异名迹涉混而实歧，学者知同书异名而外有异书同名，复有一人所著之异书同名可耳。另有如本同一书，因编制之有先后，整校之经多人，若《云麓漫钞》明稗海本四卷本，即与别下斋丛书十卷本迥不相同，此例繁多，不胜枚举，此应属之版本之不同，不得即谓同名而异书。至于同书而异名，如《礼记》之即为《小戴记》，《史记》之即为《太史公书》，《世说新语》即为《世说》之类，此则关于学者之常识，非是书所具也。

杜生将积年所辑，整理既竣，特问序于余。余谓其可与曩日各家之目录相辅而行，体用各别而实相成，洵为文化工作者一良好手册。兹于同书异名而外，引类所及，爰书于此。

陈方恪一九六一年十月于南京

## 自序

我国的文化遗产非常丰富,以古籍而论,四部之书,浩如烟海,应如何发挥其作用,为科学研究服务,为社会主义建设服务,实为值得研究之重要课题。

古籍卷帙浩繁,寻绎本属不易,而明代坊估射利,文士矜奇,往往将古书改头换面,节删易名,如:刘肃《大唐新语》,明冯梦楨刊本改为《唐世说新语》;宋叶梦得《岩下放言》,会稽商刊稗海本改为郑景望《蒙斋笔谈》,郎奎金刻《释名》,改作《逸雅》,以合五雅之目。其次,作者姓名,亦时见窜改,如:《诗话总龟》之作者,《茗溪渔隐丛话》序谓“舒城阮阅”,《四库全书总目提要》亦同,而明月窗道人刊本,改为“阮一阅”,李雨村得山阳吴玉搢《金石存》抄本,书题“钝根老人”编,而李不明钝根何人,误以为赵玉搢所作而刊行。凡此辄使一书误作两书,造成古书名目混乱现象,增加读者查阅困难,而于图书工作者,亦产生不必要之麻烦,为求迅速事功,实有急于解决之必要。

明人浙江祁承燦《藏书约》(藕香零拾本)曾论及同书异名,实开整理之端。今人杜联喆《丛书书目续编》亦曾举及,惟限于丛书,为数不多,且仅记书名,于卷数、作者、版本均付缺如,著录较俭,尚不足以贻读者之望。

余服务图书馆有年,深感为读者清除以上诸障碍,并提高工作效率,实有编纂专书之必要。因于公余之暇,将同书异名之古籍,经常加以搜集,积之数年,得四千余条。由于党政领导之支持鼓励,陈方恪先生之指导及同志之协助,辑成《同书异名通检》一册。内容包括书名、卷数、著者(包括时代、籍贯)、版本及异名,使读者披览之下,瞭若掌指,为查阅古书,减少困艰,



节省时间,更好发挥古籍作用,或亦能为科学研究工作及社会主义建设之一助。惟我国古籍,分庋于国内各图书馆、私家,海外亦多珍籍,一人见闻有限,遗漏纰谬,势所难免,尚祈读者随时指教,俾资补充修正。

本书在编辑中,承宛雨生、朱贤俊、陈宝发、赵敏元、程德谟、戴瑞祺等同志襄助采集,缮录排检,谨志谢忱。

一九六一年十月一日序于南京图书馆

# 检 字 目 录

|           |           |        |        |        |           |
|-----------|-----------|--------|--------|--------|-----------|
| <b>一画</b> |           | 巾…… 16 | 无…… 34 | 牛…… 50 | <b>五画</b> |
| 一………1     | 山…… 16    | 韦…… 34 | 毛…… 50 | 汇…… 59 |           |
|           | 千…… 17    | 专…… 34 | 壬…… 51 | 汉…… 60 |           |
| <b>二画</b> |           | 乞…… 18 | 云…… 34 | 升…… 51 | 宁…… 61    |
| 二………1     | 夕…… 18    | 廿…… 35 | 长…… 51 | 立…… 61 |           |
| 十………2     | 习…… 18    | 艺…… 36 | 仁…… 52 | 市…… 61 |           |
| 丁………3     | 卫…… 18    | 木…… 36 | 片…… 52 | 邝…… 62 |           |
| 七………3     | 也…… 18    | 支…… 36 | 反…… 53 | 冯…… 62 |           |
| 卜………4     | 飞…… 18    | 五…… 37 | 丹…… 53 | 玄…… 62 |           |
| 八………4     | 马…… 19    | 太…… 38 | 月…… 53 | 兰…… 63 |           |
| 人………5     | 子…… 19    | 不…… 39 | 欠…… 53 | 半…… 63 |           |
| 入………5     | 小…… 19    | 友…… 40 | 风…… 53 | 写…… 64 |           |
| 儿………5     | 女…… 22    | 历…… 40 | 勿…… 54 | 记…… 64 |           |
| 几………5     | 乡…… 22    | 尤…… 42 | 凤…… 54 | 永…… 64 |           |
| 九………5     |           | 比…… 43 | 殳…… 54 | 平…… 64 |           |
| 力………6     | <b>四画</b> | 切…… 43 | 乌…… 54 | 玉…… 65 |           |
| 了………6     | 斗…… 22    | 止…… 43 | 双…… 54 | 未…… 67 |           |
|           | 六…… 22    | 少…… 43 | 邓…… 56 | 击…… 67 |           |
| <b>三画</b> |           | 日…… 43 | 劝…… 56 | 示…… 67 |           |
| 广………6     | 文…… 24    | 中…… 44 | 尹…… 56 | 巧…… 67 |           |
| 义………7     | 方…… 26    | 内…… 48 | 尺…… 56 | 正…… 67 |           |
| 三………7     | 亢…… 26    | 见…… 49 | 引…… 57 | 甘…… 68 |           |
| 于…… 11    | 火…… 26    | 今…… 49 | 丑…… 57 | 世…… 68 |           |
| 工…… 11    | 为…… 27    | 从…… 49 | 巴…… 58 | 古…… 68 |           |
| 土…… 11    | 订…… 27    | 介…… 49 | 书…… 58 | 节…… 72 |           |
| 大…… 11    | 心…… 27    | 分…… 49 | 孔…… 58 | 本…… 72 |           |
| 万…… 14    | 王…… 27    | 仓…… 50 | 水…… 59 | 可…… 73 |           |
| 与…… 16    | 天…… 31    | 公…… 50 | 幻…… 59 | 左…… 73 |           |
| 上…… 16    | 井…… 33    | 午…… 50 |        | 厉…… 73 |           |
|           | 元…… 33    |        |        |        |           |

|        |           |        |        |           |
|--------|-----------|--------|--------|-----------|
| 石…… 73 | 加…… 91    | 农……100 | 此……110 | 华……121    |
| 龙…… 75 | 辽…… 91    | 匡……100 | 贞……110 | 后……122    |
| 打…… 76 | 馭…… 91    | 式……100 | 师……110 | 行……123    |
| 东…… 76 | 台…… 91    | 邢……101 | 吐……111 | 舟……123    |
| 北…… 79 | 发…… 91    | 刑……101 | 曲……111 | 名……123    |
| 占…… 80 | 幼…… 92    | 圭……101 | 吕……111 | 危……124    |
| 卢…… 80 |           | 吉……101 | 同……111 | 杂……124    |
| 旧…… 80 | <b>六画</b> | 老……101 | 因……112 | 争……124    |
| 归…… 81 | 汗…… 92    | 考……101 | 回……112 | 观……124    |
| 目…… 81 | 江…… 92    | 地……101 | 则……112 | 欢……125    |
| 叶…… 81 | 汲…… 93    | 亚……102 | 刚……112 | 寻……125    |
| 甲…… 82 | 池…… 93    | 芝……102 | 岁……112 | 尽……125    |
| 申…… 82 | 兴…… 93    | 芋……102 | 全……112 | 异……125    |
| 田…… 82 | 汤…… 93    | 苟……102 | 会……113 | 防……125    |
| 史…… 83 | 守…… 94    | 再……102 | 合……113 | 阮……125    |
| 四…… 83 | 字…… 94    | 吏……102 | 年……113 | 阳……125    |
| 出…… 85 | 安…… 94    | 协……102 | 朱……114 | 阴……126    |
| 丛…… 85 | 产…… 95    | 西……102 | 先……114 | 孙……126    |
| 仙…… 85 | 壮…… 96    | 夺……105 | 竹……115 | 如……127    |
| 白…… 85 | 冲…… 99    | 在……105 | 乔……116 | 妇……127    |
| 外…… 87 | 刘…… 96    | 百……106 | 伪……116 | 好……128    |
| 务…… 87 | 齐…… 98    | 有……107 | 传……116 | 红……128    |
| 册…… 87 | 庄…… 98    | 存……107 | 伍……117 | 纪……129    |
| 包…… 87 | 次…… 99    | 列……108 | 优……117 |           |
| 尔…… 88 | 决…… 99    | 成……108 | 延……117 | <b>七画</b> |
| 印…… 88 | 冰…… 99    | 达……108 | 仲……117 | 沉……129    |
| 乐…… 88 | 问…… 99    | 过……109 | 伦……117 | 沈……129    |
| 圣…… 89 | 羊…… 99    | 至……109 | 任……117 | 汪……130    |
| 对…… 90 | 关…… 99    | 扫……109 | 伤……117 | 沧……131    |
| 司…… 90 | 米……100    | 扬……109 | 仰……120 | 完……131    |
| 民…… 90 | 军……100    | 夷……109 | 自……120 | 宋……131    |
| 弘…… 90 | 论……100    | 光……110 | 伊……120 | 辛……133    |
| 皮…… 91 | 许……100    | 当……110 | 血……120 | 言……133    |

|        |        |        |        |        |
|--------|--------|--------|--------|--------|
| 应……133 | 杜……139 | 吴……155 | 君……163 | 郑……177 |
| 冷……133 | 村……139 | 时……157 | 张……163 | 卷……178 |
| 疗……133 | 杞……139 | 园……157 | 陆……167 | 单……178 |
| 庐……134 | 李……139 | 呆……157 | 阿……167 | 炎……178 |
| 冶……134 | 杨……143 | 吟……157 | 陈……167 | 试……178 |
| 闲……134 | 豆……145 | 听……157 | 邵……170 | 郎……178 |
| 闵……134 | 更……145 | 吹……157 | 妨……170 | 诗……178 |
| 判……134 | 吾……145 | 别……157 | 妙……170 | 诚……180 |
| 良……134 | 酉……145 | 邻……158 | 纳……170 | 话……180 |
| 证……134 | 两……145 | 余……158 | 纲……170 | 奉……130 |
| 启……135 | 芳……146 | 希……158 |        | 玩……180 |
| 诊……135 | 芙……146 | 谷……159 | 八画     | 环……181 |
| 补……135 | 苇……146 | 针……159 | 法……170 | 武……181 |
| 初……136 | 芸……146 | 牡……159 | 河……171 | 青……182 |
| 词……136 | 苍……146 | 秀……160 | 仰……172 | 表……183 |
| 诒……136 | 花……146 | 我……160 | 泽……172 | 规……183 |
| 来……136 | 还……147 | 兵……160 | 泾……172 | 丧……183 |
| 寿……136 | 求……148 | 邱……160 | 治……172 | 范……183 |
| 进……136 | 抚……148 | 何……160 | 学……172 | 苹……184 |
| 形……136 | 批……148 | 佚……161 | 实……173 | 苦……184 |
| 戒……137 | 抄……148 | 伯……161 | 宝……174 | 若……184 |
| 运……137 | 轩……148 | 佛……161 | 宗……174 | 英……184 |
| 韧……137 | 抢……148 | 近……161 | 定……174 | 茗……184 |
| 志……137 | 折……148 | 扈……161 | 审……175 | 茆……184 |
| 走……137 | 抑……148 | 返……161 | 宛……175 | 苔……185 |
| 贡……137 | 拟……149 | 肘……162 | 空……175 | 茅……185 |
| 孝……137 | 医……149 | 龟……162 | 京……175 | 其……185 |
| 坎……137 | 怀……154 | 删……162 | 於……176 | 述……185 |
| 声……137 | 悵……154 | 邹……162 | 瘍……176 | 枕……185 |
| 严……138 | 快……154 | 饮……162 | 庞……176 | 杭……185 |
| 芦……138 | 步……154 | 迎……162 | 夜……176 | 林……185 |
| 劳……138 | 邳……154 | 鸡……162 | 庚……176 | 松……186 |
| 苏……138 | 里……154 | 灵……162 | 净……177 | 卖……187 |

|        |        |        |        |        |
|--------|--------|--------|--------|--------|
| 画……187 | 罗……197 | 肃……208 | 音……214 | 荒……224 |
| 事……187 | 图……197 | 隶……208 | 疮……214 | 荣……224 |
| 雨……187 | 岭……198 | 居……209 | 疫……215 | 萸……224 |
| 欧……188 | 岷……198 | 屈……209 | 奕……215 | 草……224 |
| 奈……188 | 受……198 | 戮……209 | 施……215 | 茶……225 |
| 奇……188 | 采……198 | 降……209 | 闽……215 | 蔞……225 |
| 直……188 | 念……198 | 迦……209 | 闻……215 | 南……225 |
| 郁……188 | 贪……198 | 承……209 | 养……215 | 故……228 |
| 转……188 | 金……199 | 孟……209 | 美……216 | 胡……228 |
| 拥……189 | 命……202 | 孤……210 | 姜……216 | 荫……229 |
| 拍……189 | 钧……202 | 絃……210 | 类……216 | 荔……229 |
| 抱……189 | 垂……202 | 练……210 | 前……217 | 药……229 |
| 卧……189 | 制……202 | 细……210 | 总……217 | 查……229 |
| 瓯……189 | 知……202 | 经……210 | 烂……217 | 柯……229 |
| 怡……189 | 乖……203 | 终……211 | 炳……217 | 柏……230 |
| 尚……189 | 和……203 |        | 说……217 | 柳……230 |
| 卓……190 | 季……203 | 九画     | 语……219 | 树……230 |
| 虎……190 | 侠……203 | 济……212 | 诶……219 | 鸥……230 |
| 非……190 | 佳……203 | 洋……212 | 扁……219 | 奎……230 |
| 贤……190 | 侍……203 | 洁……212 | 祖……219 | 咸……230 |
| 盱……190 | 岳……203 | 洪……212 | 神……219 | 研……230 |
| 果……190 | 使……204 | 洞……212 | 祝……220 | 砖……230 |
| 咏……191 | 岱……204 | 洗……213 | 契……220 | 残……230 |
| 味……191 | 佩……204 | 活……213 | 春……220 | 按……231 |
| 昆……191 | 征……204 | 洛……213 | 珂……222 | 挥……231 |
| 国……191 | 所……204 | 染……213 | 玲……222 | 挂……231 |
| 昌……193 | 周……204 | 觉……213 | 珍……222 | 拾……231 |
| 昇……193 | 饴……207 | 娄……213 | 珊……222 | 皆……231 |
| 明……193 | 鱼……208 | 宣……214 | 赵……223 | 恒……231 |
| 易……195 | 备……208 | 宦……214 | 政……223 | 省……231 |
| 忠……196 | 甸……208 | 官……214 | 郝……223 | 临……231 |
| 迪……196 | 狗……208 | 宪……214 | 垛……224 | 映……231 |
| 鸣……196 | 建……208 | 客……214 | 荡……224 | 星……231 |

|        |        |        |        |        |
|--------|--------|--------|--------|--------|
| 昨……232 | 段……240 | 姚……249 | 拳……258 | 真……264 |
| 昭……232 | 俨……240 | 娇……250 | 瓶……258 | 校……264 |
| 思……233 | 便……240 | 擎……250 | 益……258 | 桂……264 |
| 毘……233 | 顺……240 | 结……250 | 兼……259 | 桔……264 |
| 品……233 | 修……240 | 绘……250 | 谖……259 | 栖……264 |
| 咽……233 | 保……241 | 绛……250 | 谈……259 | 桐……264 |
| 劓……233 | 皇……242 | 络……250 | 诸……259 | 桃……265 |
| 勋……234 | 鬼……244 |        | 读……259 | 格……265 |
| 贻……234 | 泉……244 | 十画     | 祥……260 | 栗……265 |
| 峡……234 | 禹……244 | 流……251 | 课……260 | 酌……265 |
| 峯……234 | 侯……244 | 浪……251 | 调……260 | 贾……265 |
| 晓……234 | 俟……244 | 浦……251 | 耕……260 | 夏……266 |
| 幽……234 | 盾……245 | 浯……251 | 艳……261 | 破……266 |
| 食……234 | 衍……245 | 浙……251 | 秦……261 | 原……266 |
| 剑……234 | 律……245 | 消……252 | 班……261 | 顾……266 |
| 弇……235 | 戛……245 | 渦……252 | 瑤……261 | 致……267 |
| 俞……235 | 脉……245 | 浮……252 | 珠……261 | 悚……267 |
| 竿……235 | 胎……246 | 海……252 | 珩……261 | 悔……267 |
| 笃……235 | 胞……247 | 浚……253 | 敖……261 | 道……267 |
| 钝……235 | 胜……247 | 容……254 | 素……261 | 柴……267 |
| 钜……235 | 勉……247 | 宸……254 | 蚕……262 | 圃……268 |
| 钟……236 | 独……247 | 家……254 | 壺……262 | 哭……268 |
| 钤……236 | 盈……247 | 穹……254 | 盐……262 | 恩……268 |
| 钦……236 | 急……247 | 毫……254 | 起……262 | 晓……268 |
| 矩……236 | 癸……247 | 高……254 | 袁……262 | 唤……268 |
| 看……236 | 退……247 | 郭……255 | 都……263 | 贼……268 |
| 拜……236 | 屏……248 | 离……255 | 莘……263 | 爱……268 |
| 选……237 | 费……248 | 症……255 | 恶……263 | 翁……268 |
| 秋……237 | 胥……248 | 病……255 | 晋……263 | 笔……268 |
| 香……238 | 眉……248 | 席……255 | 耻……263 | 笑……269 |
| 种……238 | 陟……249 | 唐……256 | 恭……263 | 钱……269 |
| 重……239 | 贺……249 | 瓷……258 | 莲……263 | 铁……270 |
| 复……240 | 骆……249 | 阅……258 | 获……264 | 铅……270 |

|        |            |        |        |            |
|--------|------------|--------|--------|------------|
| 造……270 | <b>十一画</b> | 谏……285 | 盛……294 | 债……299     |
| 秘……271 | 淡……277     | 谐……285 | 龚……294 | 偕……300     |
| 秣……271 | 深……277     | 桡……285 | 救……294 | 偶……300     |
| 借……271 | 清……277     | 谕……285 | 探……294 | 偷……300     |
| 倚……271 | 渚……279     | 雪……285 | 捷……294 | 皎……300     |
| 倭……271 | 鸿……279     | 琅……286 | 授……295 | 得……300     |
| 倪……272 | 淞……280     | 琐……286 | 探……295 | 盘……300     |
| 晔……272 | 渐……280     | 梵……286 | 推……295 | 船……300     |
| 射……272 | 混……280     | 理……286 | 辅……295 | 脱……300     |
| 躬……272 | 渊……280     | 嗇……286 | 情……295 | 逸……300     |
| 徒……272 | 淮……280     | 培……287 | 惟……296 | 象……301     |
| 徐……272 | 渔……281     | 恚……287 | 常……296 | 郢……301     |
| 舫……273 | 梁……281     | 堵……287 | 颇……296 | 猝……301     |
| 殷……274 | 寇……281     | 教……287 | 虚……296 | 獬……301     |
| 鸳……274 | 寄……281     | 职……287 | 啖……296 | 逮……301     |
| 脏……274 | 寂……281     | 萍……287 | 野……296 | 尉……301     |
| 胭……274 | 章……282     | 萃……287 | 晨……296 | 屠……301     |
| 留……274 | 竟……282     | 著……287 | 眼……296 | 隋……301     |
| 狸……274 | 商……282     | 黄……287 | 曼……297 | 随……301     |
| 通……274 | 麻……282     | 菊……290 | 晞……297 | 隆……302     |
| 桑……275 | 庾……283     | 蓁……290 | 晦……297 | 隐……302     |
| 陵……275 | 庸……283     | 萧……290 | 晚……297 | 婵……302     |
| 陶……275 | 康……283     | 萨……290 | 跃……298 | 续……302     |
| 陷……276 | 鹿……283     | 乾……290 | 鄂……298 | 绮……303     |
| 验……276 | 旌……284     | 梓……290 | 唾……298 | 绳……303     |
| 恕……276 | 族……284     | 桡……291 | 啸……298 | 维……303     |
| 娱……276 | 望……284     | 彬……291 | 崇……298 | 缀……304     |
| 继……276 | 率……284     | 梦……291 | 斜……298 | 绿……304     |
| 绌……276 | 惕……284     | 程……291 | 彩……299 | 繡……304     |
| 绥……276 | 阎……284     | 检……291 | 笠……299 | 巢……304     |
| 绣……276 | 断……284     | 梅……291 | 第……299 |            |
|        | 敝……285     | 曹……293 | 梨……299 | <b>十二画</b> |
|        | 焕……285     | 匏……294 | 移……299 | 游……304     |

|        |        |        |        |        |
|--------|--------|--------|--------|--------|
| 湖……305 | 期……313 | 舒……320 | 靖……326 | 慎……334 |
| 湘……305 | 散……314 | 释……320 | 韵……326 | 粲……335 |
| 湿……305 | 葛……314 | 策……320 | 新……327 | 虞……335 |
| 温……305 | 董……314 | 傅……321 | 痰……330 | 鉴……335 |
| 渭……306 | 蒋……315 | 销……321 | 廓……331 | 暗……335 |
| 湄……306 | 葆……315 | 锋……321 | 数……331 | 睫……335 |
| 敦……306 | 敬……315 | 剩……321 | 遡……331 | 睢……335 |
| 寒……306 | 韩……315 | 嵇……321 | 福……331 | 睡……336 |
| 童……307 | 朝……315 | 程……321 | 裨……331 | 愚……336 |
| 蛮……307 | 焚……316 | 稀……322 | 雷……331 | 歇……336 |
| 敦……307 | 椒……316 | 鹅……322 | 瑞……332 | 跨……336 |
| 痧……307 | 棣……316 | 焦……322 | 鼓……332 | 罪……336 |
| 痘……307 | 惠……316 | 集……322 | 聘……332 | 蜀……336 |
| 痢……309 | 粟……316 | 储……323 | 蒲……332 | 嵩……337 |
| 赙……309 | 赍……316 | 徧……323 | 蒙……332 | 遣……337 |
| 普……309 | 确……316 | 粤……323 | 鹄……332 | 龠……337 |
| 尊……309 | 雁……319 | 皖……323 | 蓝……332 | 简……337 |
| 道……310 | 揭……317 | 然……323 | 蓬……332 | 筠……338 |
| 遂……310 | 雅……317 | 鲁……323 | 献……332 | 错……338 |
| 曾……310 | 惺……317 | 遐……323 | 掣……332 | 锦……338 |
| 禅……311 | 紫……317 | 强……324 | 颐……332 | 愁……338 |
| 谢……311 | 黑……318 | 疏……324 | 楚……333 | 稗……338 |
| 琼……311 | 景……318 | 编……324 | 楞……333 | 魁……338 |
| 瑯……311 | 最……318 | 缘……324 | 榆……333 | 微……338 |
| 琵……312 | 遇……318 |        | 槐……333 | 鹏……339 |
| 琴……312 | 畴……318 | 十三画    | 楹……334 | 解……339 |
| 琳……312 | 跛……318 | 滟……324 | 赖……334 | 群……339 |
| 越……312 | 遗……318 | 满……324 | 蜃……334 | 辟……339 |
| 彭……313 | 赌……319 | 滇……325 | 感……334 | 缙……339 |
| 喜……313 | 喻……319 | 溪……325 | 詹……334 | 剿……339 |
| 博……313 | 喉……319 | 慈……325 | 碑……334 |        |
| 落……313 | 赋……320 | 窥……326 | 摄……334 | 十四画    |
| 斯……313 | 赐……320 | 窠……326 | 裘……334 | 演……340 |



|        |            |            |            |            |
|--------|------------|------------|------------|------------|
| 漉……340 | 蜡……344     | 蔬……349     | 霍……353     | 曙……358     |
| 潇……340 | 楔……344     | 樯……349     | 燕……353     | 魏……358     |
| 漱……340 | 算……344     | 樗……350     | 薛……354     | 翼……359     |
| 漫……340 | 管……345     | 橄……350     | 翰……354     |            |
| 潍……340 | 鄱……345     | 横……350     | 樽……355     | <b>十八画</b> |
| 彰……340 | 迳……345     | 撤……350     | 蝨……355     | 癖……359     |
| 端……340 | 翠……345     | 醉……350     | 樵……355     | 荔……359     |
| 豪……340 | 鸶……345     | 飘……350     | 餐……355     | 藤……359     |
| 瘦……340 | 熊……345     | 墨……350     | 醒……355     | 瞿……359     |
| 瘟……341 | 嫖……346     | 蚰……350     | 操……355     |            |
| 瘦……341 | 缩……346     | 篆……350     | 磋……355     | <b>十九画</b> |
| 精……341 | 缪……346     | 镇……351     | 虞……356     | 瀛……359     |
| 谱……341 |            | 稷……351     | 黔……356     | 麒……359     |
| 谭……341 | <b>十五画</b> | 稻……351     | 鼋……356     | 藿……359     |
| 需……342 | 潜……346     | 滕……351     | 鸮……356     | 警……359     |
| 瑶……342 | 澎……346     | 豫……351     | 纂……356     | 麓……359     |
| 碧……342 | 潮……346     | 履……351     | 笈……356     |            |
| 静……342 | 澈……346     | 畿……351     | 镜……356     | <b>二十画</b> |
| 嘉……342 | 潘……346     |            | 穆……356     | <b>以上</b>  |
| 菱……343 | 澄……347     | <b>十六画</b> | 衡……356     | 灌……359     |
| 蔗……343 | 溟……347     | 濂……351     | 膳……356     | 壘……359     |
| 聚……343 | 颜……347     | 濂……352     |            | 醴……360     |
| 蔺……343 | 遵……347     | 濒……352     | <b>十七画</b> | 羸……360     |
| 蓐……343 | 震……347     | 激……352     | 鸶……356     | 蠹……360     |
| 摹……343 | 霄……347     | 滄……352     | 璩……357     | 璩……360     |
| 慕……343 | 慧……348     | 寰……352     | 霜……357     | 飮……360     |
| 蔡……343 | 璇……348     | 辨……352     | 霞……357     | 蠹……360     |
| 蜨……344 | 增……348     | 磨……352     | 戴……357     | 麟……360     |
| 熙……344 | 髡……349     | 座……352     | 藏……357     | 蠹……360     |
| 榕……344 | 趣……349     | 糖……352     | 懋……357     | 嬰……360     |
| 愿……344 | 蕊……349     | 禧……353     | 壑……358     |            |
| 臧……344 |            |            |            |            |